हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में गणतंत्र दिवस का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में 26 जनवरी 2019 को 70वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके परिवार के सदस्यों ने भाग लिया । डॉ. वी.पी. तिवारी, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने इस अवसर पर राष्ट्र-ध्वज फहराया । तत्पश्चात उपस्थित जनसमूह द्वारा राष्ट्रगान किया गया तथा देशभक्ति के नारे लगाए गए ।

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए डॉ. तिवारी ने कहा कि बड़े हर्ष एवं उल्लास का विषय है कि हम आज सभी भारतवासी 70वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं। 26 जनवरी 1950 को इस देश का सविंधान लागू किया गया, जिसमें विश्व के सभी देशों के संविधानों की अच्छी-अच्छी बातों को समाविष्ट किया गया और इसलिए वर्तमान में भारतीय संविधान को श्रेष्ठ संविधान के रूप में जाना जाता है । देश के नागरिकों को सविंधान के अंतर्गत मौलिक अधिकार भी दिए गए है तथा साथ-साथ सभी नागरिकों के कर्तव्य भी निर्धारित किए गए हैं। हम सभी का दायित्व है कि अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों का भी भली-भांति निर्वहन करें । उन्होंने कहा कि देश को स्वतंत्रता दिलाने में बहुत से महापुरुषों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है । उन्होंने अपने जीवन की परवाह न कर अपना समस्त जीवन देश को आजाद करवाने में बलिदान कर दिया । आज उन महापुरुषों तथा सैनिकों को याद करने तथा उनकों श्रद्धाजंलि अर्पित करने का दिन है ।

डॉ. तिवारी ने कहा कि आज हमारा देश उन्नति की ओर अग्रसर है तथा तरक्की के नए–नए आयाम स्थापित कर रहा है। *भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्*, वानिकी अनुसंधान तथा पर्यावरण सरंक्षण में महत्वपूर्ण कार्य रही देश की एक अग्रणी वैज्ञानिक संस्था है। उन्होंने कहा कि हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, *भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्* के अधीन एक प्रमुख संस्थान है जो कि विशेषकर हिमालयी क्षेत्र में वानिकी एवं पर्यावरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। आज पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम झेल रहा है, जिससे कभी सूखे की स्थिति का सामना करना पड़ता है और कभी अत्यधिक असामयिक बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति बन जाती है, जो कि भारत के साथ–साथ पूरे विश्व के लिए एक चिंता का विषय है। चूँकि हमारा संस्थान भी वानिकी एवं पर्यावरण के क्षेत्र में कार्यरत एक राष्ट्रीय स्तर का संस्थान है इसलिए हम सभी का कर्तव्य बन जाता है कि हम वानिकी, पर्यावरण सरंक्षण के अंतर्गत जनहित में चलाई जा रही परियोजनाओं का सुचारू रूप से संचालन करें ताकि संस्थान की उपलब्धियों एवं विकसित तकनीकों से वन विभागों को नीति–निर्धारण तथा कार्य–योजना तैयार करने में लाभ मिल सके। उन्होंने सभी उपस्थित अधिकारियों तथा कर्मचारियों का आह्वान किया हम सभी अपने–अपने कार्यक्षेत्र में सत्य–निष्ठा, ईमानदारी एवं लगन से कार्य कर अपनी संस्था तथा देश की उन्नति में अपना योगदान सुनिश्चित करें।